संख्या - 22/2025/22/35-4-2025/35-4099/61/2021

प्रेषक,

राजेन्द्र प्रसाद,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
सिद्धार्थनगर ।

नियोजन अनुभाग- 4 लखनऊ: दिनांक: 10 फरवरी, 2025

विषय – जनपद सिद्धार्थनगर में वित्तीय वर्ष 2024-25 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत धनराशि की स्वीकृति किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि त्वरित आर्थिक विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में जनपद सिद्धार्थनगर में शासनादेश संख्या- 198/2021/1740/35-4-2021, दिनांक 25 अक्टूबर, 2021 द्वारा सड़क निर्माण से सम्बंधित 02 कार्यों की रू. 5597.34 लाख की लागत पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त के रूप में रू. 200.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई थी। तत्पश्चात शासनादेश संख्या: 43/2022/1113/35-4-2022, दिनांक 01 फरवरी, 2022 द्वारा द्वितीय किश्त के रूप में रू.2598.67 लाख, शासनादेश संख्या:62/2022/170/35-4-2022, दिनांक 22.02.2022 द्वारा तृतीय किश्त के रूप में रू.1342.24 लाख एवं शासनादेश संख्या: 80/2022/221/35-4-2022, दिनांक 10 मार्च, 2022 द्वारा चतुर्थ किश्त के रूप में रू.1175.57 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी थी। इस प्रकार अब तक कुल रू. 5317.48 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है।

2- जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के पत्रांक- 416/अ0एवं सं0अ0/त्व0आ0वि0यो0/2024-25, दिनांक 07.09.2024 एवं पत्रांक-832/अ0एवं सं0/त्व0आ0वि0यो0/2024-25, दिनांक 31.12.2024 द्वारा उक्त शासनादेश से स्वीकृत प्रश्नगत 02 कार्यों हेतु पूर्व में अवमुक्त की गई धनराशि का व्यय होना इंगित करते हुये एवं टेन्डर की धनराशि का उल्लेख करते हुए अवशेष धनराशि की मांग की गयी है।

एतद्द्वारा उपर्युक्त शासनादेश से स्वीकृत एवं बचत की धनराशि को समायोजित करते हुए अवशेष रू0 271.15 लाख (रूपये दो करोड़ इकहत्तर लाख पन्द्रह हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र0 सं0	कार्य	अनुमोदित लागत	कार्य पूर्ण के पश्चात शुद्ध बचत	बचत के उपरान्त कार्य की कुल लागत	पूर्व में अवमुक्त धनराशि	अवमुक्त धनराशि
1	नौगढ़ जिला मुख्यालय से धेन्सा पुलिया कटहना कड़जहवा होते हुए करौती रक्शा सेखवनिया मार्ग तक	2461.26	1.03	2460.23	2338.20	122.03

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in

	चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।					
2	चिल्हिया से पल्टादेवी वाया बजहा मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	3136.08	7.68	3128.40	2979.28	149.12
	योग-	5597.34	8.71	5588.63	5317.48	271.15

1. उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 25 अक्टूबर,2021, दिनांक 01 फरवरी, 2022, दिनांक 22 फरवरी,2022 एवं दिनांक 10 मार्च, 2022 की शर्तें यथावत लागू रहेगी।

2. प्रश्नगत कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि नियमानुसार संबंधित जनपद के जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा जिलाधिकारी की अनुमति से कोषागार से आहरित कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करा दी जायेगी।
3. परियोजना के लिये स्वीकृत धनराशि ब्याज अर्जित करने के उद्देश्य से आहरित कर बैंक, डाकघर में नहीं रखी जायेगी। प्रश्नगत धनराशि आवश्कतानुसार आहरित कर व्यय की जायेगी और तदनुसार कार्यदायी संस्था को धनराशि अवमुक्त की जायेगी।
4. कार्यो को मानकों के अनुरूप पूर्ण गुणवत्ता के साथ स्वीकृत लागत में ही पूर्ण किया जायेगा और लागत वृद्धि अनुमन्य नहीं होगी।
5. स्वीकृत धनराशि का आहरण कर सदुपयोग सुनिश्चित किया जायेगा और यदि कोई धनराशि अप्रयुक्त, अनाहरित बचती है, तो उसे 31 मार्च, 2025 से पूर्व समर्पित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का पूरा लेखा-जोखा 31 मार्च, 2025 तक नियोजन अनुभाग-4 को प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
6. राजकोष से आहरित धनराशि का त्रैमासिक आधार पर मिलान महालेखाकार उ0 प्र0 में अनुरक्षित लेखों से अनिवार्यत: कराया जायेगा तथा वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात 3 माह में अर्थात 30 जून, 2025 तक स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष हुए व्यय का महालेखाकार द्वारा सत्यापित विवरण नियोजन विभाग को प्रेषित किया जायेगा।
7. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/24/बी-1-294/दस-2024-231/2024, दिनांक 04 मार्च, 2024 में उल्लिखित शर्तो एवं निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय रुपये 2,71,15,000/- (रूपये दो करोड़ इकहत्तर लाख पन्द्रह हजार मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक मे अनुदान संख्या 040 लेखाशीर्षक 5054043370303 ग्रामीण क्षेत्रों में अधूरी सड़कों के लिये एकमुश्त व्यवस्था मानक मद 24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/24/बी-1-294/दस-2024-231/2024, दिनांक 04 मार्च, 2024 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधानित अधिकार के अंतर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in

राजेन्द्र प्रसाद
संयुक्त सचिव।

संख्या- 22/2025/22(1)/35-4-2025/35-4099/61/2021, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रधान महालेखाकार,लेखा एवं हकदारी, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज, (इलाहाबाद)।
2. महालेखाकार, लेखापरीक्षा, प्रथम एवं द्वितीय, प्रयागराज, इलाहाबाद)।
3. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, लोक निर्माण।
4. अपर मुख्य सचिव, वित्त एवं वित्त आयुक्त ।
5. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव /विशेष सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0।
6. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी ।
7. मंडलायुक्त, बस्ती ।
8. प्रमुख अभियन्ता(विकास) एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ।
9. मुख्य विकास अधिकारी, सिद्धार्थनगर।
10. मुख्य /वरिष्ठ कोषाधिकारी, सिद्धार्थनगर ।
11. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-5
12. जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, सिद्धार्थनगर ।
13. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सिद्धार्थनगर ।
14. संयुक्त निदेशक, स्टेट ट्रांसफारमेशन कमीशन, नियोजन विभाग।
15. नोडल अधिकारी, बजट आवंटन प्रणाली, नियोजन विभाग।
16. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
राजेन्द्र प्रसाद
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।